डॉ. रॉबर्ट ए. पीटरसन, द थियोलॉजी ऑफ़ ल्यूक-एक्ट्स, सत्र 16, पीटरसन, द चर्च इन एक्ट्स, भाग 3, और पॉल का मंत्रालय का उदाहरण, एक्ट्स 20:18-32

यह ल्यूक-एक्ट्स के धर्मशास्त्र पर अपने शिक्षण में डॉ. रॉबर्ट ए. पीटरसन हैं। यह सत्र 16, पीटरसन, द चर्च इन एक्ट्स, भाग 3, पॉल का मंत्रालय का उदाहरण, एक्ट्स 20: 18-32 है।

हम प्रेरितों के काम की पुस्तक में ल्यूक और धर्मशास्त्र पर अपना व्याख्यान जारी रखते हैं।

प्रेरितों के काम में चर्च पर मेरा अपना लेखन, प्रेरितों के काम में परमेश्वर के नए नियम के लोग, और हम सातवें नंबर पर हैं, चर्च में अनुग्रह और एकता, महान यरूशलेम परिषद मार्ग। लेकिन इससे पहले कि हम बाइबल खोलें, आइए हम प्रभु की ओर मुड़ें।

दयालु पिता, हम आपको धन्यवाद देते हैं कि आप पवित्र त्रिमूर्ति हैं, पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा। हम आपके सामने झुकते हैं। हम आपके पवित्र नाम की प्रशंसा करते हैं और हमें ल्यूक का सुसमाचार और प्रेरितों के काम की पुस्तक देने के लिए आपका धन्यवाद करते हैं। प्रेरितों के काम के संदेश को समझने में हमारी मदद करें। हमें आपके चर्च के उत्पादक सदस्य बनने में मदद करें, हम यीशु के पवित्र नाम में प्रार्थना करते हैं। आमीन। प्रेरितों के

काम 15, पद 1 से शुरू करते हैं, लेकिन कुछ लोग यहूदिया से नीचे आए और भाइयों को सिखा रहे थे, जब तक कि आप मूसा के रिवाज के अनुसार खतना नहीं करते, आप बचाए नहीं जा सकते।

पौलुस और बरनबास के बीच इस विषय पर काफी मतभेद और बहस हुई, इसलिए पौलुस और बरनबास और कुछ अन्य लोगों को इस विषय पर प्रेरितों और पुरनियों के पास यरूशलेम जाने के लिए नियुक्त किया गया। इसलिए, कलीसिया द्वारा भेजे जाने पर, वे फीनीके और सामरिया दोनों से होकर गए, और अन्यजातियों के धर्म परिवर्तन का विस्तार से वर्णन किया और सभी भाइयों को बहुत खुशी दी। जब वे यरूशलेम पहुँचे, तो कलीसिया, प्रेरितों और पुरनियों ने उनका स्वागत किया, और उन्होंने बताया कि परमेश्वर ने उनके साथ क्या-क्या किया है।

परन्तु कुछ विश्वासी जो फरीसियों के दल के थे, उठे और कहने लगे कि उनका खतना करना आवश्यक है, और उन्हें मूसा की व्यवस्था का पालन करने का आदेश देना आवश्यक है। इस विषय पर विचार करने के लिये प्रेरित और पुरनिये इकट्ठे हुए। बहुत वाद-विवाद होने के बाद पतरस ने खड़े होकर उन से कहा, हे भाइयो, तुम जानते हो, कि पहिले से परमेश्वर ने तुम में से एक को चुन लिया, कि मेरे मुंह से अन्यजातियां सुसमाचार का वचन सुनें, और विश्वास करें।

और मन के जाननेवाले परमेश्वर ने हमारी नाईं उन्हें भी पवित्र आत्मा देकर उन पर गवाही दी। और उस ने विश्वास के द्वारा उनके मनों को शुद्ध करके हमारे और उनके बीच कोई भेद न

किया। अब, इसलिए, आप शिष्यों की गर्दन पर ऐसा जूआ रखकर परमेश्वर की परीक्षा क्यों ले रहे हैं, जिसे न तो हमारे पिता और न ही हम सहन कर पाए हैं? लेकिन हमें विश्वास है कि हम प्रभु यीशु की कृपा से बच जायेंगे, जैसा वे चाहेंगे।

तब सारी मण्डली चुप हो गई। और वे बरनबास और पौलुस की सुनने लगे, कि परमेश्वर ने उनके द्वारा अन्यजातियों में कैसे कैसे चिन्ह और अद्भुत काम किए थे। जब वे बोल चुके, तो याकूब ने उन से कहा, हे भाइयो, मेरी सुनो।

शिमोन ने बताया है कि कैसे परमेश्वर ने पहली बार अन्यजातियों से भेंट की ताकि उनसे अपने नाम के लिए एक लोग चुन सके। और इसके साथ, भविष्यवक्ताओं के शब्द सहमत हैं, जैसा कि लिखा गया है। यहाँ, वह आमोस, अध्याय 9, श्लोक 11 और 12 को उद्धृत करता है।

इसके बाद मैं लौटकर दाऊद के गिरे हुए तम्बू को फिर से खड़ा करूँगा। मैं उसके खण्डहरों को फिर से बनाऊँगा और उसे फिर से खड़ा करूँगा, ताकि बचे हुए लोग यहोवा को ढूँढ़ सकें। और जितने अन्यजाति मेरे नाम से कहलाते हैं, उन सब के विषय में यहोवा की यही वाणी है, जो इन बातों को प्राचीनकाल से बताता आया है।

जेम्स आगे कहते हैं, इसलिए मेरा फैसला यह है कि हमें उन अन्यजातियों को परेशान नहीं करना चाहिए जो भगवान की ओर मुड़ते हैं, बल्कि उन्हें मूर्तियों द्वारा प्रदूषित चीजों से और यौन अनैतिकता से और गला घोंटने वाली चीजों से और खून से दूर रहने के लिए लिखना चाहिए। क्योंकि प्राचीन काल से नगर नगर में मूसा का प्रचार करनेवाले होते आए हैं, और हर सब्त के दिन आराधनालयों में उसका पाठ किया जाता है। नवोदित न्यू टेस्टामेंट चर्च जीवन, उत्साह और आनंद से भरा था, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि यह समस्याओं के बिना था।

हमने पहले जांच की थी कि प्रेरितों और लोगों ने यरूशलेम में हेलेनिस्ट विधवाओं की उपेक्षा के मामले को कैसे संभाला था। अब हम प्रारंभिक चर्च के प्रमुख धार्मिक विवाद पर अपना ध्यान केंद्रित करते हैं, कि क्या अन्यजातियों को ईसाई बनने से पहले यहूदी बनना होगा। यहूदिया से कुछ हिब्रू ईसाई अन्ताकिया आए और उन्होंने जोर देकर कहा, जब तक मूसा द्वारा निर्धारित रीति के अनुसार आपका खतना नहीं किया जाता, आप बचाए नहीं जा सकते, अधिनियम 15:1। पॉल और बरनबास ने उनका विरोध किया और उनके साथ इस मामले पर बहस की, और फिर अन्ताकिया में चर्च ने पॉल और बरनबास को इस मुद्दे से निपटने के लिए यरूशलेम में चर्च में जाने के लिए नियुक्त किया।

अधिनियम 15:2. जैसे ही मिशनरियों ने यरूशलेम की यात्रा की, उन्होंने फेनिशिया और सामरिया के चर्चों के साथ साझा किया कि कैसे भगवान ने अन्यजातियों को मुक्ति प्रदान की थी, और इससे चर्चों को बहुत खुशी हुई। श्लोक 3. बैरेट अधिनियम 15 के महत्व पर अधिक जोर नहीं देते हैं जब वह लिखते हैं, उद्धृत करते हैं, बहस स्वयं, 15:6-29, को अधिनियमों के केंद्र के रूप में सही ढंग से वर्णित किया गया है। सीके बैरेट, अधिनियम 15-28, अंतर्राष्ट्रीय आलोचनात्मक टिप्पणी, पृष्ठ 696।

जेरूसलम परिषद में बहस, अधिनियम 15:6-29, को सही रूप से अधिनियमों के केंद्र के रूप में वर्णित किया गया है। यरूशलेम चर्च ने, प्रेरितों और बुजुर्गों सहित, पॉल और बरनबास का स्वागत किया, जिन्होंने अपने मंत्रालयों के माध्यम से प्रभु ने जो किया था उसे साझा किया, पद 4। हालाँकि, कुछ यहूदी विश्वासी जो फरीसी थे, उन्होंने गैर-यहूदी धर्मान्तरण के संबंध में तर्क दिया, उद्धरण, उनका खतना करना आवश्यक है और उन्हें मूसा की व्यवस्था का पालन करने की आज्ञा देना, पद 5। क्योंकि यह मुद्दा चर्च और उसके मिशन के भविष्य के लिए बहुत महत्वपूर्ण था, प्रेरितों और बुजुर्गों के साथ पूरा चर्च, इस मामले पर विचार करने के लिए एकत्र हुआ, पद 6। काफी बहस हुई, प्रत्येक पक्ष ने निकाय के समक्ष अपना मामला प्रस्तुत किया। पतरस ने गवाही दी कि कैसे, उद्धरण के अनुसार, आरंभिक दिनों में, परमेश्वर ने अन्यजातियों तक सुसमाचार पहुँचाने के लिए उसका उपयोग किया था।

परमेश्वर ने इस बात की गवाही दी कि अन्यजातियों ने उद्धार के लिए मसीह पर विश्वास किया, उन्हें पवित्र आत्मा देकर, जैसा कि उसने पिन्तेकुस्त के दिन विश्वास करने वाले यहूदियों को दिया था, प्रेरितों के काम 15, आयत 7 और 8। पतरस ने ज़ोर दिया। परमेश्वर ने उनके, हमारे और उनके बीच कोई भेद नहीं किया, उनके हृदयों को विश्वास से शुद्ध किया, आयत 9। पतरस ने ज़ोर दिया कि परमेश्वर ने मसीह में विश्वास के माध्यम से अनुग्रह द्वारा अन्यजातियों को बचाया, उसी तरह जैसे उसने यहूदियों को बचाया था। फिर, आश्चर्यजनक रूप से, पतरस ने यहूदी ईसाइयों पर आरोप लगाया जो इस बात पर ज़ोर देते थे कि अन्यजातियों के धर्मांतरित लोगों का खतना किया जाना चाहिए। उसने उन पर परमेश्वर की परीक्षा लेने का आरोप लगाया, आयत 10।

अब, इसलिए, आप शिष्यों की गर्दन पर ऐसा जूआ रखकर परमेश्वर की परीक्षा क्यों ले रहे हैं जिसे न तो हमारे पूर्वज उठा पाए हैं और न ही हम? डेविड पीटरसन ने पतरस के तर्क को पकड़ लिया है, उद्धरण, मसीह में विश्वास के माध्यम से उद्धार के मार्ग को अपने लोगों के लिए परमेश्वर की इच्छा की अंतिम अभिव्यक्ति के रूप में देखते हुए। पतरस ने कानून के जूए के बारे में बहुत स्पष्ट रूप से कहा कि यह एक दायित्व है जिसे उसके साथी यहूदी कभी पूरा करने में कामयाब नहीं हुए। चूँकि परमेश्वर ने उन गैर-यहूदियों से यह अपेक्षा नहीं की थी जो यीशु पर भरोसा करते थे कि वे इस तरह से जिएँ, इसलिए पतरस को यह आपत्तिजनक लगा कि उसके कुछ साथी यहूदी गैर-यहूदी धर्मांतरित लोगों पर ऐसा बोझ डालना चाहते थे।

पीटरसन, प्रेरितों के कार्य, 4 से 7. लूका ने फिर पीटर के संबोधन के अपने सारांश को एक शक्तिशाली सत्य के साथ समाप्त किया। उद्धार के लिए खतना की आवश्यकता पर जोर देने से दूर, पतरस ने पद 11 में जोर दिया कि हम विश्वास करते हैं कि हम प्रभु यीशु की कृपा से बच जाएंगे, जैसे वे बचेंगे। यहाँ, पतरस ने विषय को उलट दिया।

इससे पहले, उन्होंने तर्क दिया था कि कुरनेलियुस के घर में उनके अनुभव से पता चलता है कि परमेश्वर ने अन्यजातियों को बचाने के लिए काम किया था, जैसा कि उसने पहले यहूदियों को बचाने के लिए किया था। अब वह पुष्टि करता है कि हम यहूदी भी प्रभु यीशु की कृपा से उसी तरह बचाए जाते हैं जैसे अन्यजातियों को बचाया जाता है। वह वास्तव में खेल के मैदान को समतल कर रहा है।

वह वास्तव में कह रहा है कि हम भी यीशु में विश्वास के माध्यम से परमेश्वर की कृपा से उसी तरह बचाए गए हैं। यह अंश पुराने नियम और नए नियम के विश्वासियों के बीच एक महत्वपूर्ण अंतर को स्पष्ट करता है। पहले, परमेश्वर ने यहूदियों को खतना और मूसा के कानून की अन्य विशेषताओं का पालन करने के लिए जिम्मेदार ठहराया था।

उत्पत्ति 17 में, अध्याय 12 में मूसा की वाचा दिए जाने के बाद, 12 में पेश किया गया, 15 में पुष्टि की गई, 17 में बलिदान के साथ, खतना जोड़ा गया, और इसे खतने की वाचा कहा जा सकता है, जो उस समय परमेश्वर की व्यवस्था में कितना महत्वपूर्ण था। परमेश्वर के लोगों को हमेशा विश्वास के माध्यम से अनुग्रह द्वारा बचाया गया था, या तो पुराने नियम के संत आने वाले मसीहा की प्रत्याशा में या नए नियम के संत जो मसीहा में विश्वास करते थे जो आ चुके थे। लेकिन परमेश्वर ने मूसा की वाचा को अब्राहम की वाचा में जोड़ा ताकि जिन लोगों को उसने मिस्र से छुड़ाया था वे उसकी आज्ञाओं का पालन करके उसके प्रति अपना प्रेम दिखाएँ।

निर्गमन 20, श्लोक 2 और 4. अब जबकि मसीह, नई वाचा का मध्यस्थ, आ चुका था और उसने अपनी मृत्यु के द्वारा इसकी पुष्टि की थी, मूसा की वाचा के अनुष्ठान और बलिदान संबंधी नियम अप्रचलित हो गए थे। लोग यीशु पर विश्वास करके बचाए गए, क्रूस पर चढ़ाए गए और जी उठे, और अन्यजातियों को बचाए जाने के लिए यहूदी बनने की आवश्यकता नहीं थी। याकूब, आमोस 9, 11 और 12 का हवाला देते हुए, पतरस की गवाही में अपनी भारी गवाही जोड़ता है, और उसकी आवाज़ परिषद के लिए निर्णायक साबित होती है।

याकूब की गवाही के बाद, कुरनेलियुस के घर में पतरस के अनुभव ने जो साबित किया था, उसे पूरे चर्च और उसके नेताओं द्वारा औपचारिक सिद्धांत बना दिया गया है। गैर-यहूदी लोग यीशु पर विश्वास करके बचाए जाते हैं और उन्हें ईसाई बनने से पहले यहूदी बनने की ज़रूरत नहीं है। परमेश्वर जाति के आधार पर मनुष्यों के बीच कोई भेद नहीं करता।

प्रेरितों के काम 15 और आयत 9. परमेश्वर ने हमारे और उनके बीच कोई भेद नहीं किया, क्योंकि उसने उनके हृदयों को विश्वास के द्वारा शुद्ध किया है। इसका तात्पर्य उसी तरह है जैसे उसने हमारे हृदयों को शुद्ध किया था। पतरस एक इब्रानी मसीही के रूप में बोलता है।

मार्शल ने यरूशलेम परिषद के निर्णय के महत्व को न केवल पहली सदी के चर्च के लिए बल्कि सभी समय के चर्च के लिए भी नोट किया है। प्रेरितों के काम 247 पर हॉवर्ड मार्शल की टिप्पणी को उद्धृत करते हुए। लूका ने बैठक में लिए गए निर्णय के मौलिक महत्व को सही ढंग से पहचाना।

सिद्धांत रूप में, गैर-यहूदी ईसाइयों के लिए यहूदी कानून को स्वीकार करने की आवश्यकता को दृढ़ता से अस्वीकार कर दिया गया था। यह सिद्धांत प्रारंभिक चर्च के भविष्य के लिए बुनियादी महत्व का था, और यह हर समय बुनियादी बना हुआ है। किसी भी राष्ट्रीय, नस्लीय या सामाजिक आवश्यकताओं को कभी भी उद्धार और चर्च की सदस्यता के लिए शर्त नहीं बनाया जा सकता है, साथ ही यीशु मसीह में विश्वास की एकमात्र आवश्यकता के साथ, जिसके माध्यम से पापियों को ईश्वर की कृपा मिलती है।

मार्शल, एक्ट्स, पृष्ठ 247। यह हमें एक्ट्स की पुस्तक से हमारे आठवें शब्दचित्र की ओर ले जाता है, जो हमें परमेश्वर के नए नियम के लोगों के बारे में सिखाता है। अधिनियम 20, पॉल का चर्च मंत्रालय का उदाहरण। वर्षों तक मैंने सेमिनारियों को चर्च के सिद्धांत सिखाए, और देहाती पत्रों के साथ, हमने हमेशा इस अध्याय के महत्व को रेखांकित किया क्योंकि यह पॉल के मंत्रालय के दर्शन, उनके लक्ष्यों, उनके उद्देश्यों, उनके स्वयं के उदाहरण और यह शक्तिशाली है।

अधिनियम 20. मुझे पाठ हमारे सामने लाने दीजिए। पौलुस मकिदुनिया और यूनान से होकर गया था। अधिनियम 20 और श्लोक 7 रोटी तोड़ना था जिसे हमने प्रभु भोज के अंश के रूप में व्याख्या किया। हमने उसका जिक्र नहीं किया. हमने आधी रात के बाद पॉल के लंबे समय तक बोलने वाले उपदेशक का उल्लेख किया था, और हमने युवा यूतुइकस के खिड़की से गहरी नींद में गिरने का उल्लेख नहीं किया था।

तीसरी मंजिल से उसे मृत अवस्था में उठाया गया, और पौलुस ने उसे जिलाया, और फिर कुछ और यात्रा करके वे मीलेतुस में पहुँचे। प्रेरितों के काम 20:17. फिर उसने मीलेतुस से इफिसुस में संदेश भेजा और कलीसिया के प्राचीनों को अपने पास बुलाया।

जब वे उसके पास आए, तो उसने उनसे कहा, तुम जानते हो कि मैं आसिया में आने के पहले दिन से लेकर हर समय तुम्हारे बीच में कैसे रहा, और बड़ी दीनता से, और आंसू बहा बहाकर, और यहूदियों के षडयंत्र के कारण मुझ पर जो परीक्षाएं आईं, उनमें प्रभु की सेवा करता रहा। और जो बातें तुम्हारे लाभ की थीं, उनका प्रचार करने और लोगों के सामने और घर-घर में सिखाने से कभी न झिझका, और यहूदियों और यूनानियों के सामने गवाही देता रहा कि परमेश्वर की ओर मन फिराना चाहिए, और हमारे प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास करना चाहिए। और अब देखो, मैं आत्मा में बन्धा हुआ यरूशलेम को जाता हूं, और नहीं जानता कि वहां मुझ पर क्या बीतेगा, केवल यह कि पवित्र आत्मा हर नगर में गवाही दे देकर कहता है, कि बन्दीगृह और क्लेश मेरे लिये तैयार हैं।

लेकिन मैं अपने जीवन को कोई मूल्य या अपने लिए अनमोल नहीं मानता। काश, मैं अपना पाठ्यक्रम और वह मंत्रालय पूरा कर पाता जो मुझे परमेश्वर की कृपा के सुसमाचार की गवाही देने के लिए प्रभु यीशु से मिला था। और अब देखो, मैं जानता हूं, कि तुम में से जिनके बीच मैं राज्य का प्रचार करता फिरा हूं, कोई मेरा मुंह फिर न देखेगा।

इसलिये मैं आज तुम्हें गवाही देता हूं, कि मैं सब के खून से निर्दोष हूं, क्योंकि मैं परमेश्वर की सारी युक्ति तुम्हें सुनाने से नहीं हिचकिचाया। अपने ऊपर और उस सारे झुंड पर ध्यान से ध्यान दो जिसमें पवित्र आत्मा ने तुम्हें परमेश्वर की कलीसिया की देखभाल करने के लिए पर्यवेक्षक बनाया है, जिसे उसने अपने खून से प्राप्त किया है। मैं जानता हूं कि मेरे जाने के बाद खूंखार भेड़िये तुम्हारे बीच आ जायेंगे और झुंड को भी नहीं बख्शेंगे।

और तुम्हारे ही बीच में से ऐसे मनुष्य उठ खड़े होंगे जो चेलों को अपनी ओर खींच लेने के लिये टेढ़ी-मेढ़ी बातें कहेंगे। इसलिये जागते रहो, और यह स्मरण रखो, कि मैं ने तीन वर्ष तक रात दिन हर एक को आंसू बहा बहाकर समझाना न छोड़ा। और अब मैं तुम्हें परमेश्वर को सौंपता हूं, और उसका वचन तुम्हें बढ़ा सकता है, और सब पवित्र लोगों के बीच मीरास दे सकता है।

मैंने किसी के चाँदी, सोने या परिधान का लालच नहीं किया। तुम आप ही जानते हो, कि ये हाथ मेरी और मेरे साथियों की आवश्यकताओं की सेवा करते हैं। सभी चीजों में, मैंने आपको दिखाया है कि इस तरह से कड़ी मेहनत करके, हमें कमजोरों की मदद करनी चाहिए और प्रभु यीशु के शब्दों को याद रखना चाहिए, जैसा कि उन्होंने स्वयं कहा था कि लेने की तुलना में देना अधिक धन्य है।

यह कहकर वह घुटनों के बल झुका और उन सब के साथ प्रार्थना करने लगा। और सब बहुत रोए। उन्होंने पौलुस को गले लगाया और उसे चूमा, और सबसे अधिक उस बात के कारण दुःखी हुए जो उसने कही थी, कि वे उसका मुँह फिर न देखेंगे।

और वे उसके साथ जहाज़ तक गये।

में इफिसियन प्राचीनों को दिया गया पौलुस का भाषण, प्रेरितों के काम की पुस्तक में मसीही श्रोताओं को संबोधित किया गया एकमात्र पौलुस का भाषण है। आश्चर्य की बात नहीं है कि इसमें पौलुस के पत्रों के साथ कई समानताएँ हैं।

ब्रूस, प्रेरितों के काम की पुस्तक, पृष्ठ 412 से तुलना करें। यह लूका प्रेरितों के काम में पादरी मंत्रालय के विषय पर सबसे समृद्ध प्रस्तुति है। बेशक, यह हमें परमेश्वर के नए नियम के लोगों के बारे में भी निर्देश देता है।

अज्ञात कारणों से, पौलुस ने भूमि मार्ग से यात्रा की और अस्सोस में अपने दल से मिला, जहाँ से वे उसे जहाज़ पर ले गए, प्रेरितों के काम 20:13 और 14। कुछ स्थानों पर रुकने के बाद, वे इफिसुस से आगे निकल गए, क्योंकि पौलुस को पिन्तेकुस्त तक यरूशलेम पहुँचने की जल्दी थी। आयत 15 और 16।

वे मीलेतुस में आए, जहाँ से पौलुस ने इफिसुस में संदेश भेजकर कलीसिया के पुरनियों को अपने पास बुलाया। पद 17. तब वे आगे बढ़े।

फिर उसने अतीत, वर्तमान और भविष्य के मामलों के बारे में उन्हें प्रोत्साहित और प्रोत्साहित करना शुरू किया। पौलुस ने बताया कि कैसे उसने इफिसुस में मसीह की सेवा करते हुए विश्वासियों के साथ काफी समय बिताया। पौलुस ने अपने चरित्र और परीक्षाओं में धीरज रखने के बारे में बताया।

पद 18 और 19. उसने उन्हें शिक्षित करने के लिए सार्वजनिक रूप से और घर-घर जाकर शिक्षा दी। पद 20. तुम्हें सार्वजनिक रूप से और घर-घर जाकर शिक्षा दी। ESV. उसने यहूदियों और अन्यजातियों को मसीह में उद्धार के मार्ग की घोषणा की, जिसमें मन-परिवर्तन भी शामिल है, जिसमें परमेश्वर के प्रति पश्चाताप और प्रभु यीशु मसीह में विश्वास शामिल है।

पद 21. पौलुस ने इफिस के प्राचीनों से कहा कि पवित्र आत्मा उसे यरूशलेम की ओर ले जा रहा है, जबकि बार-बार उसे चेतावनी दी कि वहाँ उसे कारावास और पीड़ा का सामना करना पड़ेगा।

पद 22, 23. उसने उन्हें बताया कि उसका ध्यान आत्म-संरक्षण पर नहीं था, बल्कि उस सेवकाई को पूरा करने पर था जो यीशु ने उसे दी थी, जो गवाही देना, गवाही देना, परमेश्वर के अनुग्रह के सुसमाचार की गवाही देना था। पद 24. पौलुस ने अपने श्रोताओं को यह कहकर चौंका दिया कि वे उसे फिर कभी नहीं देख पाएँगे।

जब पौलुस ने उन्हें सुसमाचार सुनाया तो उसने अपनी बेगुनाही की बात कही क्योंकि उसने उन्हें परमेश्वर की पूरी मनसा बताई थी। आयत 25 से 27. फिर पौलुस ने प्राचीनों को चेतावनी दी कि वे अपने और कलीसिया के लिए सावधान रहें।

वह उन्हें यह याद दिलाकर गंभीरता बढ़ाता है कि पवित्र आत्मा ने उन्हें परमेश्वर की कलीसिया के अध्यक्ष और चरवाहे के रूप में नियुक्त किया है। आखिरकार, परमेश्वर ने उन्हें प्राचीनों के रूप में चुना और उन्हें उसी के अनुसार जीना है। प्रेरितों के काम में लूका ने मसीह के पुनरुत्थान और परमेश्वर की ओर से महिमामंडित होने पर बहुत ज़ोर दिया है।

वह कई बार मसीह के क्रूस और मृत्यु का उल्लेख करता है, कभी-कभी यीशु की मृत्यु को पापों की क्षमा के साथ जोड़ता है, लेकिन केवल एक बार प्रायश्चित का सिद्धांत सिखाता है , और वह यहां है जब वह भगवान के चर्च की बात करता है, जिसे उसने प्राप्त किया था उसका अपना खून. प्राप्त शब्द का अनुवाद भगवान के चर्च के रूप में किया जा सकता है, जिसे उसने अपने खून से खरीदा था। यह मुक्ति का सिद्धांत है जिसके तहत ईश्वर, मसीह के प्रायश्चित बलिदान के माध्यम से, पाप के गुलाम माने जाने वाले पापियों को बचाता है।

हालाँकि कुछ लोग इस विचार से कतराते हैं कि मसीह की मृत्यु एक फिरौती की कीमत है जो हमारी मुक्ति को खरीदती है। बैरेट, अधिनियम 15 से 29, पृष्ठ 977। धर्मग्रंथ इसे यहाँ और अन्यत्र सिखाता है।

यीशु की मृत्यु सचमुच एक फिरौती है। पापियों को पाप के बंधन से छुड़ाने, उन्हें स्वतंत्र करने, उन्हें मसीह के लिए खरीदने के लिए भुगतान किया गया। मरकुस 10:45, प्रसिद्ध फिरौती कहावत।

1 पतरस 1:18 19, प्रकाशितवाक्य 5:9 और 10. मरकुस 10:45, 1 पतरस 1:18 19, प्रकाशितवाक्य 5:9 और 10. वास्तव में, पीटरसन ने नोट किया, वह डेविड पीटरसन है, जो प्रेरितों के काम 20:28 के बगल में दूसरे स्थान पर ध्यान दे रहा है जहां ल्यूक मसीह के प्रतिस्थापन प्रायश्चित को सिखाता है।

यह प्रेरितों के काम में नहीं है; यह लूका 22:19 और 20 में है, जिसे हमने पहले देखा था। यह प्रभु के भोज की स्थापना के समय है। लूका के सुसमाचार में, यीशु कहते हैं, यह प्याला जो तुम्हारे लिए उंडेला गया है, मेरे खून में नई वाचा है, मेरी हिंसक बलिदान मृत्यु।

पीटरसन, प्रेरितों के काम 20 28 के अलावा लूका के कॉर्पस में दूसरे स्थान पर ध्यान देते हैं जहाँ लूका मसीह के प्रतिस्थापन प्रायश्चित की शिक्षा देता है। लूका 22 19 और 20. पीटरसन ने सीधे

तौर पर उद्धरण पर जोर दिया है, हालांकि कई टिप्पणीकार इस निहितार्थ से बचने की कोशिश करते हैं कि मसीह की मृत्यु को यहाँ अपने लोगों को छुड़ाने के लिए चुकाई गई कीमत के रूप में प्रस्तुत किया गया है।

तो, क्रिया, बहुत पेरी, लड़का, हे भगवान, अभिव्यक्ति के साथ संयोजन में, आपके लिए उच्च मामलों के लिए प्रिय, निश्चित रूप से रक्त के माध्यम से प्राप्त किया गया है। उन्होंने आगे कहा कि ल्यूक 22 और अधिनियम 20 में यीशु का प्रायश्चित कार्य न केवल क्षमा की घोषणा का आधार है, बल्कि ईश्वर के युगान्तकारी लोगों के गठन और रखरखाव का भी आधार है क्योंकि यह एक खरीद है। भगवान लोगों को खरीदता है.

वह उन्हें अपने लिए खरीदता है, उन्हें पाप की गुलामी से खरीदता है, उन्हें अपना होने, उससे प्रेम करने और अपनी इच्छा पूरी करने के लिए स्वतंत्र करता है। फिर पौलुस एक अत्यावश्यक चेतावनी देता है जो उसके पत्रों में कई अंशों से मेल खाती है। अधिनियम 20:29.

मैं जानता हूं कि मेरे जाने के बाद खूंखार भेड़िये तुम्हारे बीच आ जायेंगे और झुंड को भी नहीं बख्शेंगे। अधिनियम 20:29. ल्यूक कठोर भाषा का उपयोग करता है, झूठे शिक्षकों को जंगली भेड़िये कहता है, अतिशयोक्ति में नहीं, बल्कि विधर्म के भयावह परिणामों के बारे में इफिसियन चर्चों के नेताओं को सचेत करने के लिए।

पौलुस के अगले शब्द हमें चौंका देते हैं , क्योंकि वह कहता है, तुम्हारे ही बीच में से ऐसे मनुष्य उठ खड़े होंगे जो चेलों को अपने पीछे खींच लेने के लिये टेढ़ी-मेढ़ी बातें बोलेंगे। अधिनियम 20:30. क्या वह भविष्यवाणी कर रहा है कि उसकी उपस्थिति में कुछ बुजुर्ग विश्वास से भटक जायेंगे और झूठे शिक्षक बन जायेंगे? या क्या उनका बयान अधिक सामान्य है, जो चर्चों में नेतृत्व के पदों पर बैठे लोगों की ओर इशारा करता है? लार्किन ने अपने अधिनियम टिप्पणी पृष्ठ 98 से 99 में उपयुक्त रूप से लिखा है कि प्रकाशितवाक्य दो, एक से सात तक में उद्धृत किया गया है कि इफिसस में विधर्मियों के घटित होने की खबरें हैं।

प्रकाशितवाक्य दो, एक से सात तक इफिसुस की कलीसिया को लिखे पत्र में प्रकाशितवाक्य दो और तीन में सात चर्चों को लिखे गए सात पत्रों में से एक से सात तक, चर्च के प्रभु, यीशु द्वारा इफिसुस में झूठी शिक्षा की निंदा की गई है। यह जानना कठिन है, लेकिन किसी भी तरह से, यह भविष्यवाणी बुजुर्गों को सतर्क रहने, स्वयं या दूसरों में त्रुटियों का पता लगाने और उन्हें अस्वीकार करने की सख्त आवश्यकता को रेखांकित करती है। जब पॉल तीन साल तक इफिसियों की कलीसियाओं में था, तो वह अक्सर नेताओं को झूठे शिक्षकों से सावधान रहने की चेतावनी देता था।

अब, यह जानते हुए कि वे उसे दोबारा नहीं देखेंगे, वह उन्हें सतर्क रहने के लिए कहता है। श्लोक 31. इसलिए सावधान रहो.

यह याद करके मैं तीन वर्ष तक तुम में से हर एक को आँसुओं से भर-भरकर समझाता रहा, और रात-दिन न रुका। पॉल ने उनकी उपस्थिति में इफिसियों के लिए अपना मंत्रालय पूरा कर लिया है

और अब वह अंतिम बैठक और चेतावनी में है। हालाँकि, वह जानता है कि उनकी दृढ़ता अंततः उसकी वफ़ादारी पर नहीं, बल्कि परमेश्वर की वफ़ादारी पर निर्भर करती है।

इस कारण से, वह श्लोक 32 में आग्रह करता है। अब मैं तुम्हें परमेश्वर और उसके अनुग्रह के वचन के हवाले करता हूं, जो तुम्हें बढ़ा सकता है और तुम्हें उन सभी के बीच विरासत दे सकता है जो पवित्र हैं। यहां मंत्रालय, ईश्वर और उसके वचन में सफलता के लिए पॉल का आत्मविश्वास है।

भगवान विश्वासियों को पवित्र करने और उन्हें जीवित भगवान के बेटों और बेटियों को वादा की गई विरासत, नई पृथ्वी पर पुनर्जीवित शरीरों में शाश्वत जीवन देने के लिए धर्मग्रंथों का उपयोग करते हैं। पॉल ने फिर से अपनी बेगुनाही का दावा किया है, इस बार दूसरों के पैसे या संपत्ति का लालच करने और अपने और कमजोरों के लिए काम करने की प्रतिबद्धता से। श्लोक 33 और 34.

वह पहले से दर्ज न की गई एक प्रमुख कहावत को उद्धृत करते हैं, उद्धरण, प्राप्त करने की तुलना में देना अधिक धन्य है। पद 35. पॉल के मार्मिक विदाई भाषण के बाद, वह और बुजुर्ग घुटने टेककर प्रार्थना करने लगे और सभी आँसू बहा रहे थे।

फिर वे गले मिले, इस दुख के साथ कि वे उसे दोबारा नहीं देख पाएंगे, और वे उसके साथ जहाज तक चले गए। श्लोक 38. इफिसियन प्रेस्बिटर्स को पॉल के विदाई शब्दों के सारांश के माध्यम से ल्यूक भगवान के नए नियम के लोगों के बारे में बहुत कुछ सिखाता है।

भगवान ने अपने लोगों के लिए चर्च नेताओं को नियुक्त किया है , और पॉल का उदाहरण और इफिसियों को उसका निर्देश दोनों चर्च नेतृत्व के बारे में बहुत कुछ सिखाते हैं। अंततः, पवित्र आत्मा पर्यवेक्षकों की नियुक्ति करता है, अधिनियम 20:28, और पॉल उनके चरित्र और कार्य दोनों के बारे में बात करता है। उन्हें पॉल का अनुकरण करना है, जिसने ईश्वर के प्रति वफादारी, मंत्रालय में परिश्रम और बुद्धि, विनम्रता, लालच की कमी और खुद का और यहां तक कि दूसरों का समर्थन करने की इच्छा प्रदर्शित की।

श्लोक 33 और 34। उन्हें, प्रेरित की तरह, परमेश्वर के लोगों को सिखाना है और उनके जीवन में शामिल होना है। श्लोक 20.

पॉल उन क्रूर भेड़ियों के बारे में चेतावनी देता है जो झुंड को तबाह कर देंगे यदि उसके नेताओं ने उन्हें नहीं रोका। श्लोक 29. उन्हें तीतुस को दी गई पॉल की सलाह का पालन करना है जब पॉल ने कहा था कि एक पर्यवेक्षक को सिखाए गए विश्वासयोग्य संदेश का पालन करना चाहिए।

प्रेरितों के काम, मेरा मतलब है तीतुस 1:9। एक ओवरसियर को सिखाए गए भरोसेमंद वचन पर दृढ़ रहना चाहिए ताकि वह सही सिद्धांत में निर्देश देने में सक्षम हो सके। यह एल्डर की खुशी है, सिखाने वाले एल्डर की खुशी है, लेकिन यह उसका एकमात्र काम नहीं है। उसे सिखाए गए भरोसेमंद वचन पर दृढ़ रहना चाहिए ताकि वह सही सिद्धांत में निर्देश देने में सक्षम हो सके और साथ ही उन लोगों को फटकार भी लगा सके जो इसका विरोध करते हैं।

प्राचीनों को वही करना है जो पौलुस ने बाद में तीमुथियुस से कहा। अपने जीवन और अपनी शिक्षा पर पूरा ध्यान दो। 1 तीमुथियुस 4:16.

यह अत्यावश्यक है क्योंकि प्रेरित ने भविष्यवाणी की थी कि इफिसियन चर्च के नेतृत्व से, विधर्मी उत्पन्न होंगे। पद 30. नए नियम के विश्वासी परमेश्वर की कलीसिया के हैं, जिसे उसने अपने लहू से खरीदा है।

श्लोक 28. वे पहले पाप और शैतान के गुलाम थे, लेकिन मसीह ने उन्हें बंधन से मुक्त करने के लिए अपनी प्रायश्चित मृत्यु से छुटकारा दिलाया। परिणामस्वरूप, वे ईसाई स्वतंत्रता का आनंद लेते हैं और उसी के हो जाते हैं जिसने उन्हें खरीदा है।

चर्च के सदस्यों को प्रोत्साहन की आवश्यकता है, जो पॉल इस भाषण में भारी मात्रा में प्रदान करता है। उन्हें परमेश्वर की कृपा के सुसमाचार की गवाही देने के लिए प्रेरित के उदाहरण और पद 24 का अनुसरण करना है। इसमें ईश्वर की संपूर्ण सलाह को संप्रेषित करना शामिल है।

पद 27. परमेश्वर की संपूर्ण योजना, जिसमें मसीह का मुक्ति का कार्य भी शामिल है। श्लोक 28.

उन्हें आत्मा की अगुवाई का पालन करना, विश्वास से चलना और अनुग्रह का उपदेश देना है। उन्हें आत्मा के मार्गदर्शन का पालन करना है, विश्वास से चलना है और अनुग्रह का उपदेश देना है। फलदायी मंत्रालय के लिए उनका आश्वासन स्वयं में नहीं बल्कि ईश्वर और उसके वचन में निहित है।

पद 32. मार्शल ने मसीही सेवकों को वचन के संबंध में उनकी स्थिति की याद दिलाई है। मार्शल, प्रेरितों के काम 335, 337 में इसे बहुत अच्छी तरह से कहा गया है।

पौलुस और लूका इस बात के बारे में कुछ नहीं जानते कि कलीसिया के अगुवे उन्हें सौंपे गए वचन पर नियंत्रण रखते हैं। 2 तीमुथियुस 1:14 . और वे उस पर नियंत्रण रखते हैं।

इसके विपरीत, वे वचन के अधीन खड़े हैं। उद्धरण बंद करें। परमेश्वर मसीह के छुटकारे के माध्यम से अपने लोगों को क्षमा करता है।

पद 28 उन्हें पवित्र करता है और अपनी सन्तान के रूप में उन्हें स्वर्गीय मीरास देता है। पद 32. मैं तुम्हें परमेश्वर को और उसके अनुग्रह के वचन को सौंपता हूँ, जो तुम्हें बनाने और सब पवित्र लोगों के बीच तुम्हें मीरास देने में सक्षम है।

नए नियम के विश्वासियों को अपने प्रभु और उनके प्रेरितों की तरह दुख सहने के लिए तैयार रहना चाहिए, जिसमें पौलुस भी शामिल है, जो अतीत और भविष्य में दुख सह चुके हैं। प्रेरितों के काम 20:19 और प्रेरितों के काम 20:22 और 23 में क्रमशः। श्रीलंकाई प्रचारक फर्नांडो हमें मददगार तरीके से याद दिलाते हैं कि यह अंश ल्यूक के दुख के धर्मशास्त्र में योगदान देता है।

फर्नांडो प्रेरितों के काम 20 से मसीहियों के लिए दुख उठाने के बारे में तीन सबक बताते हैं। पहला, मसीही ऐसे दुख उठाते हैं जिन्हें वे मसीह के शानदार सुसमाचार के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के कारण आसानी से टाल सकते हैं, एक ऐसा कारण जो दुख को सार्थक बनाता है। दूसरा, जब लोग अपने नेताओं को इसके लिए कष्ट उठाते देखेंगे तो वे सुसमाचार के लिए कष्ट उठाने के लिए प्रेरित होंगे।

तीसरा, नेता न केवल सुसमाचार के लिए पीड़ित होते हैं, बल्कि वे उन लोगों के लिए भी पीड़ित होते हैं जिनका वे नेतृत्व करते हैं। मैं सिर्फ फर्नांडो एनआईवी एप्लीकेशन कमेंट्री का अभिनय करता हूं। यह एक अनूठी टिप्पणी श्रृंखला है जिसे सम्मानित किया जाता है और एक IV एप्लीकेशन कमेंट्री प्रस्तुत की जाती है।

उन्होंने ऐसे लोगों को चुना है जिन्होंने बाइबल की पुस्तकों पर अकादमिक टिप्पणियाँ प्रकाशित की हैं, जिसके लिए वे फिर NIV अनुप्रयोग टिप्पणियाँ लिखते हैं, लेकिन वे ग्रीक भाषा के साथ बहुत विस्तार में जाने के बिना सारांश बनाते हैं, उदाहरण के लिए, वे उन पुस्तकों में पैराग्राफ के संदेश को सारांशित करते हैं जिनसे वे निपट रहे हैं, लेकिन फिर वे लोगों के जीवन में उस संदेश के अनुप्रयोग के लिए काफी समय और स्थान समर्पित करते हैं। NIV अनुप्रयोग टिप्पणियाँ। मेरी पत्नी ने पढ़ाया है, मेरी पत्नी मैरी पैट ने कई, कई वर्षों तक महिलाओं को बाइबल अध्ययन पढ़ाया है, और वह जो करती है उसमें टिप्पणी श्रृंखला सबसे अधिक सहायक पाती है।

हमारे अगले व्याख्यान में, हम प्रेरितों के काम में परमेश्वर के लोगों के बारे में मेरे अपने सर्वेक्षण को अंतिम अध्याय पर नज़र डालकर पूरा करेंगे।

यह डॉ. रॉबर्ट ए. पीटरसन द्वारा लूका-प्रेरितों के काम के धर्मशास्त्र पर उनके शिक्षण में है। यह सत्र 16 है, पीटरसन, प्रेरितों के काम में चर्च, भाग 3, पौलुस की सेवकाई का उदाहरण, प्रेरितों के काम 20: 18-32।